दुख दर्द दूर करने के लिए करोड़ों लोगों ने की प्रार्थना

आबू रोड, 18 जनवरी, निसं। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के साकार संस्थापक प्रजापिता ब्रह्मा बाबा की 21 वीं पुण्य तिथि श्रद्धापूर्वक मनायी गयी। इस अवसर पर पूरे विश्व के 70 देशों से आये हजारों लोगों ने बाबा की समाधि स्थल पर श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके पदचिन्हों पर चलने का संकल्प लिया। ब्रह्मा बाबा की 41वीं पुण्य तिथि विश्व शांति दिवस के रूप में मनायी गयी।

इस अवसर पर संस्था की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी, अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी, संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी, संस्था के महासचिव ब्र0 कु0 निर्वेर, ब्र0 कु0 बृजमोहन, ब्र0 कु0 रमेश, संस्था के मीडिया प्रवक्ता ब्र0 कु0 करूणा, कार्यकारी सचिव ब्र0 कु0 मृत्युंजय, शांतिवन प्रबन्धक ब्र0 कु0 भूपाल, ब्र0 कु0 मुन्नी बहन, ब्र0 कु0 मोहिनी बाबा की समाधि स्थल माउण्ट आबू में जाकर कुछ समय मौन रहकर श्रद्धांजलि अर्पित की तथा पूरे विश्व शांति की कामना किये।

प्रात: काल चार बजे से शुरू हुए प्रार्थना ध्यान का सिलसिला दोपहर बारह बजे तक चलता रहा। इससे पूर्व सभी लोगों ने सामूहिक रूप से हैती में मारे गये लोगों के लिए तथा पूरे विश्व में अमन, चैन के लिए भगवान से प्रार्थना की। ताकि दुनियां से दुख दर्द दुर हो। इस अवसर संस्था की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी ने कहा ने लोगों से आह्वान किया कि वे दूसरों के प्रति रहम भाव रखते हुए लोगों में आत्म सशक्तिकरण करें। जिससे लोगों के अन्दर से भय और निराशा दूर हो। उन्होंने बाबा की पुण्य तिथि को विश्व शान्ति दिवस रूप में मनाने के बारे में बोलते हुए कहा कि इससे उन सभी आत्माओं को सुख शान्ति की अंजलि मिलेगी जो हैती की भीषण प्राकृतिक प्रकोप की शिकार हुई है।

विश्व शांति दिवस अवसर पर कार्यक्रम में भाग लेने आये हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री प्रो0 प्रेम कुमार धूमल भी पहुंचे। वे अपने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रात: 11 बजे मानपुर हवाई अडडा पर विमान से उतरे जहाँ संस्था के पदाधिकारियों सहित सभी आला अफसरों ने उनका स्वागत किया। इसके बाद वे सीधे शांतिवन पहुंचे। इसके पश्चात वे बाबा की कुटिया में भी गये और कुछ समय तक मेडिटेशन कर प्रार्थना किया।

विश्व में फैल रहे भय से मुक्त करने का उपाय ईश्वर से प्रार्थना

आबू रोड, 18 जनवरी। माननीय मुख्यमंत्री जी ने शान्तिवन स्थित दादी जानकी से मुलाकात की। वे मीडिया से मुखातिब होते हुए कहा कि आज हमारा सौभागय है कि हमें लोककल्याणकारी कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर प्राप्त हुआ है। जहाँ पूरे विश्व से आये हजारों लोग विश्व में बढ़ रही अराजकता को समाप्त करने के लिए भगवान से प्रार्थना कर रहे हैं। यही एक उपाय है जिससे दुनियां से दरिद्रता को दूर किया जा सकता है। उन्होंने हैती में मारे गये लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसी प्राकृतिक आपदा के समय हम सबको मिलकर ऐसी शुभभावनायें देनी चहिए जिससे उनकी आत्मा को शांति मिले।

दादीजी ने कहा कि पूरे विश्व में शांति एवं अमन चैन एवं सद्भावना के लिए बाबा की 41वीं पुण्य तिथि को विश्व शांति दिवस के रूप में मना रहे हैं। आज के दिन पूरे विश्व के 132 देशों में करोड़ों लोग भाग लेकर विश्व शांति की कामना कर रहे हैं। इस अवसर संस्था के महासचिव ब्र0 कु0 निर्वेर तथा कार्यकारी सचिव ब्र0 कु0 मृत्युंजय से भी मुलाकात की।

इसके पश्चात वे भोजन कर माउण्ट आबू के लिए रवाना हो गये। माउण्ट आबू में रात्रि विश्राम के बाद वे मंगलवार को आयोजित होने वाले कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे।

फोटो 18 एबीआरओपी, 1, 2, 3, 4 ब्रह्मा बाबा की समाधि स्थल पर श्रद्धांजलि करते संस्था के पदाधिकारी, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल से आशिर्वाद लेते हुए।